



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

### EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

#### PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 19] नई दिल्ली, सोमवार, जनवरी 24, 1977/माघ 4, 1898

No. 19] NEW DELHI, MONDAY, JANUARY 24, 1977/MAGHA 4, 1898

इस भाग में विभिन्न पृष्ठ संलग्न थी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed  
as a separate compilation

#### MINISTRY OF COMMERCE

#### PUBLIC NOTICE

#### IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 24th January 1977

SUBJECT—Import of edible oils and oil seeds: Import Policy for April, 1976—  
March, 1977.

No. 7-ITC(PN)/77.—Attention is invited to Ministry of Commerce Public Notice No. 6-ITC(PN)/77, dated the 17th January, 1977, in terms of which import of specified items of edible oils or oil seeds is to be allowed liberally to actual users engaged in the manufacturing, refining or blending of edible oils or marketing of edible oils, for direct human consumption.

2. It is clarified that import of Palm oil referred to in para 2(vi) of the aforesaid public notice will also cover import of "Palm Oleine".

3 In terms of the aforesaid public notice, it has been provided that the facility for import of edible oils and oil seeds is not available for Vanaspati Industry. In this connection, it is clarified that units which are engaged in the manufacture of vanaspati and are also engaged in refining and blending and/or marketing of edible oils for direct use, will be eligible for import of edible oils. Actual users in this category should furnish an undertaking, on a plain paper, to the effect that the imported edible oils would not be used for the manufacture of vanaspati, but would be used only for blending, refining and/or marketing for direct use, along-with their applications for import licences.

4 As provided in the aforesaid Public Notice No 6-ITC(PN)/77, dated the 17th January, 1977, applications are to be made to the regional licensing authorities concerned under whose jurisdiction the applicant unit falls. In this connection, it may be stated that actual users borne on the books of DGTD and eligible to apply for licences for import of edible oils/oil seeds should submit their applications to the regional licensing authorities concerned under whose jurisdiction the applicant unit falls.

A. S. GILL,

Chief Controller of Imports & Exports

### वाणिज्य मन्त्रालय

सार्वजनिक सूचना

### आयात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, 24 जनवरी, 1977

**विषय** —खाद्य तेलों और तेलहन का आयात अप्रैल 1976—मार्च 1977 के लिए आयात नीति।

सं-7/आई टी सी (पी एम) /77.—वाणिज्य मन्त्रालय की सार्वजनिक सूचना संख्या 6—आई टी सी (पीएन) /77, दिनांक 17 जनवरी, 1977 की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है जिसके अनुसार, खाद्य तेलों या तेलहनों की विशिष्ट मदों के आयात की अनुमति सीधे मानवीय उपभोग के लिए खाद्य तेलों के निर्माण, शोधन या सम्मिश्रण या खाद्य तेलों के विपणन में लगे हुए वास्तविक उपयोक्ताओं को उदारता में दी जानी है।

यह स्पष्ट किया जाता है कि पूर्वोंकत सार्वजनिक सूचना के पैरा 2 (6) में उल्लिखित तात्त्व के तेल में “पास ओलीन” का आयात भी शामिल होगा।

3. पूर्वोंकत सार्वजनिक सूचना के अनुसार, यह व्यवस्था की गई है कि खाद्य तेलों और तेलहनों के आयात के लिए बनस्पति उद्योग के लिए सुविधा उपलब्ध नहीं है। इस सम्बन्ध में यह स्पष्ट किया जाता है कि जो एकक बनस्पति के निर्माण में लगे हुए हैं और सीधे उपयोग के लिए खाद्य तेलों के शोधन और सम्मिश्रण और/या विपणन में भी लगे हुए हैं, वे खाद्य तेल के आयात के लिए पात्र होंगे। इस श्रेणी के वास्तविक उपयोक्ताओं को आयात लाइसेंस के लिए अपने आवेदन पत्रों के माथ कोरे कागज पर एक वचन पत्र इस सम्बन्ध में भेजना चाहिए कि आयात किए गए खाद्य तेल का बनस्पति के निर्माण के लिए उपयोग नहीं किया जाएगा, परन्तु उसका उपयोग केवल सम्मिश्रण, शोधन और/या सीधे उपयोग के लिए विपणन के लिए किया जाएगा।

4. जैसा कि पूर्वोंकत सार्वजनिक सूचना संख्या 6—आई टी भी (पी एन) /77, दिनांक 17 जनवरी, 1977 में दिया गया है, आवेदन पत्र उन सम्बद्ध क्षेत्रीय लाइसेंस प्राधिकारियों को देने चाहिए, जिन के अधिकार क्षेत्र में आवेदक एकक शामिल है। इस सम्बन्ध में यह उल्लेख किया जाता है कि महानिदेशक तकनीशी विकास की सूची में शामिल और खाद्य तेलों/तेलहनों के आयात के लिए लाइसेंसों के लिए आवेदन करने के लिए पात्र वास्तविक उपयोक्ताओं का उन सम्बद्ध क्षेत्रीय लाइसेंस प्राधिकारियों को अपने आवेदन पत्र प्रस्तुत करने चाहिए, जिनके अधिकार क्षेत्र में आवेदक एकक आते हैं।

ए० एस० गिल,

मुख्य नियन्त्रक, आयात नियंत्रण।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मन्त्रालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली द्वारा  
मुद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977